UP Board Notes Class 6 Hindi Chapter 16 कौन बनेगा निंगथउ (मंजरी)

निंगथउ और ..... वह मर गया।

संदर्भ – प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी' के 'कौन बनेगा निंगथउ (राजा)' नामक पाठ से लिया गया है।

प्रसंग – यह पाठ मणिपुर की एक लोककथा पर आधारित है। इसमें पर्यावरण संरक्षण और जनता से प्रेम की भावना का अनोखा चित्रण हुआ है।

व्याख्या – राजा-रानी युवराज चुनने की इच्छा से अपने तीनों राजकुमारों की उपेक्षा कर अपनी पाँच साल की छोटी लड़की सानातोंबि की तरफ देख रहे थे। वह बरगद के पेड़ के पास उदास खड़ी थी। बरगद का पेड़ मर गया था। उस पर जो घोंसले थे, उनके टूट जाने पर आस-पास के पक्षी फड़फड़ा रहे थे। क्योंकि उन्हें अपने घोंसले नहीं मिल रहे थे। लड़की विचार कर रही थी कि बरगद के पेड़ को चोट लगी है; जिससे यह जमीन पर गिरकर मर गया है। लड़की के दिल में वेदना थी। इस कारण वातावरण में चुप्पी छाई हुई थी।

पाठ का सार (सारांश)

बहुत पुराने समय की बात है, मणिपुर के कांगलइपाक राज्य में एक राजा और रानी राज करते थे। वे अपनी प्रजा, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे सभी से बहुत प्यार करते थे, लेकिन उनके कोई सन्तान नहीं थी। लोगों की प्रार्थना से उनके एक पुत्र सानाजाउबा ने जन्म लिया। बहुत धूमधाम से उत्सव मनाया गया। इसके बाद फिर उत्सव मनाया गया, जब दूसरे पुत्र सानायाइमा ने जन्म लिया। इसके बाद तीसरा पुत्र सानातोंबा पैदा हुआ। बारह सालों बाद सुन्दर-सी पुत्री सानातोंबि हुई; जो कोमल दिलवाली और बहुत प्यारी थी।

सभी बच्चे जवान होने लगे और राजा बहुत वृद्ध हो चले थे। उन्होंने मंत्रियों को बुलाकर तीनों पुत्रों में से एक को युवराज चुनने की ठानी। बड़ा पुत्र सानाजाउबा को पुरानी प्रथा के अनुसार युवराज बनना चाहिए था; लेकिन पुरानी प्रथा छोड़कर जो सबसे योग्य हो, उसे ही युवराज बनाने की योजना बनी। एक घुड़दौड़ हुई। उसमें तीनों राजकुमार एक ही साथ बरगद के पेड़ तक पहुँच जो दौड़ का आखिरी बिन्दु था। चूँकि तीनों ही अच्छे घुड़सवार थे, इसलिए युवराज चुने जाने की खातिर उन तीनों से अपने तरीके से कुछ करने को कहा गया।

सर्वप्रथम सानाजाउबा घोड़े पर सवार होकर बहुत तेजी में दौड़ते हुए बरगद के पेड़ को भेदकर निकल गया। दूसरा राजकुमार एक अद्‌भुत छलाँग में उस विशाल वृक्ष को पार करके दूसरी ओर निकल गया। अब सबसे छोटे राजकुमार की बारी आई। उसने ऐसा घोड़ा दौड़ाया कि बरगद को जड़ से उखाड़ दिया और उसे उठाकर राजा-रानी के सामने लाकर डाल दिया।

छोटी बेटी पाँच वर्षों की सानातोंबि, मरे हुए बरगद के पास चुप खड़ी थी। पक्षी पेड़ पर अपने घोंसले को ढूँढ़ रहे थे। राजा-रानी ने देखा कि सानातोंबि दूसरों का दर्द समझती है। उसे मनुष्य, पेड़-पौधे, जानवर, पक्षी सभी की तकलीफ अनुभव होती है। राजा-रानी ने छोटी लड़की सानातोंबि को ही कांगलइपाक की होने वाली रानी चुना। पक्षी फड़फड़ाते हुए उसके सिर पर बैठने लगे। पक्षी लड़की द्वारा दिए दानों को चुगने लगे।

https://www.evidyarthi.in/